

Q. पीडियाट्रिक नर्सिंग के लक्ष्य (Goals of Paediatric Nursing) -

इसके मुख्य लक्ष्य निम्नलिखित हैं-

1. बच्चों के स्वास्थ्य एवं शारीरिक विकास में वृद्धि करना।
2. बच्चों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य में वृद्धि करना, जिससे बच्चे अपनी शारीरिक क्षमता का उपयोग कर सकें।
3. नर्स माता-पिता और शिशु में होने वाली मानसिक आघात को कम कर सकती है।
4. यदि किसी शिशु (infant) के जबड़े में चोट या अस्थिभंग हो गया है, तो ऐसी अवस्था में उसको आहार (feeding) में अधिक कठिनाई होती है ऐसी अवस्था में नर्स बहुत मदद करती है।
5. नर्सिंग केयर (nursing care) प्रदान करने के लिए नर्स को मरीज की बीमारी का ज्ञान होना चाहिए।
6. नर्स को मेडिकल सर्जिकल तकनीक बीमारी व उपचार का नियंत्रण (prevention of illness and therapy) का भी ज्ञान होना आवश्यक है।
7. नर्स में मरीज का निर्धारण (assessment) करने की भी योग्यता होनी चाहिए,

जिससे मरीज को ठीक प्रकार से नर्सिंग केयर मिल सके।

8. नर्स को बच्चे की बीमारी (illness) उसकी क्षमता (strength) और कमजोरी (weakness), उपचार आदि का निरंतर व सतत् निरीक्षण (observation) करना चाहिए।

9. जो नर्स बच्चे की देखभाल कर रही है उसे जिम्मेदारी (sense of responsibility) का आभास होना चाहिए।

10. नर्स में बच्चों की प्रक्रिया (reaction and response) के बेहतर निर्णय (judgement) करने की योग्यता भी होनी चाहिए।

Its main goals are as follows-

1. To increase the health and physical development of children.

2. To increase the physical and mental health of children, so that children can use their physical potential.

3. The nurse can reduce the mental trauma of parents and child.

4. If an infant has an injury or fracture in the jaw, then in such a

situation he has more difficulty in feeding, in such a situation the nurse helps a lot.

5. To provide nursing care, the nurse should have knowledge of the patient's disease.

6. It is also necessary for the nurse to have knowledge of medical surgical technique, prevention of illness and therapy.

7. The nurse should also have the ability to assess the patient, so that the patient can get proper nursing care.

8. The nurse should constantly and continuously observe the child's illness, strength and weakness, treatment etc.

9. The nurse who is taking care of the child should have a sense of responsibility.

10. The nurse should also have the ability to judge the child's reaction and response.

Q. पीडियाट्रिक नर्सिंग से संबंधित उभरती चुनौतियों का वर्णन कीजिए।

Explain the emerging challenges related to child health care.

उत्तर- पीडियाट्रिक नर्सिंग की उभरती चुनौतियाँ (Emerging challenges of child health care) –

भारत में राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (National Health Policy) को अधिक विकसित किया जा रहा है, ताकि बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल ठीक ढंग से की जा सके। बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित तीन प्रकार की प्रमुख समस्याएँ हैं-

In India, the National Health Policy is being developed further so that the health of children can be taken care of properly. There are three major types of problems related to children's health-

1. जनसंख्या विस्फोट (Population Explosion)
2. गरीबी (Poverty)
3. पर्यावरण (Environment)

देश की मुख्य रूप से संपत्ति यहाँ के रहने वाले बच्चे होते हैं, इसलिए बच्चों के लिए स्वास्थ्य योजनाएँ व प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य कार्यक्रमों को अधिक महत्व प्रदान किया जा रहा है।

इन कार्यक्रमों के द्वारा टीकाकरण, पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के क्लिनिक, पोषक आहार कार्यक्रम, परामर्श एवं मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से बच्चों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुँचाया जाता है।

हमारे देश में प्रत्येक दस हजार बच्चों में से 60-70 बच्चों की मृत्यु एक वर्ष की आयु में

ही हो जाती है।

40 प्रतिशत बच्चों की मृत्यु पाँच वर्ष से कम आयु में हो जाती है।

पूरे विश्व में करीब 40 मिलियन बच्चे कुपोषण से पीड़ित हैं, 2.5 मिलियन बच्चे विटामिन 'ए' की कमी से होने वाली बीमारियों से ग्रसित हैं।

The main wealth of the country is its children, therefore, health schemes for children and reproductive and child health programmes are being given more importance.

Through these programmes, children are provided health services through vaccination, clinics for children below five years of age, nutrition programmes, counselling and mental health services.

In our country, out of every ten thousand children, 60-70 children die at the age of one year.

40 percent of children die at the age of less than five years.

Around 40 million children around the world suffer from malnutrition, 2.5 million children suffer from diseases caused by vitamin A deficiency.

Q. भारत की राष्ट्रीय बाल नीति के सिद्धान्त

(Principles of India's National Child Policy) -

भारत की राष्ट्रीय बाल नीति के प्रमुख सिद्धान्त निम्नलिखित हैं-

1. सभी बच्चों के स्वास्थ्य के लिए अच्छे स्वास्थ्य कार्यक्रमों को चलाना तथा अच्छी सेवाएँ व पोषक आहार उपलब्ध कराना।
2. गर्भवती महिलाओं और माताओं की स्वास्थ्य की देखभाल करने के लिए पोषक आहार उपलब्ध कराना।
3. जो बच्चे विद्यालय जाकर शिक्षा प्राप्त नहीं कर रहे हैं, उनको विद्यालय के बाहर ही शिक्षा की व्यवस्था करना।
4. सभी विद्यालयों व सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा केन्द्रों पर मनोरंजन की गतिविधियों को बढ़ावा देना।
5. अत्यधिक कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए अनेक कार्यक्रमों का संचालन करना।
6. बच्चों को शोषण से बचाने के लिए नीतियां बनाना।
7. अनेक प्रकार के खतरे वाले कार्यों और व्यवसायों पर प्रतिबंध लगाना।
8. चौदह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा का प्रबंध करना।
9. शारीरिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए उपचार, शिक्षा व पुर्नवास उपलब्ध कराना।

10. किसी भी प्राकृतिक आपदा के दौरान बच्चों को सुरक्षा प्रदान करना।
11. कमजोर गरीब वर्ग के प्रतिभाशाली बच्चों के लिए मदद उपलब्ध कराना।
12. कमजोर वर्ग के मेधावी व विशेष प्रतिभाशाली बच्चों को प्राथमिकता प्रदान करना।
13. बच्चों की चिकित्सीय एवं नर्सिंग देखभाल की समस्याओं को कम करने में सहायता करना तथा उनके पारिवारिक सूत्रों को मजबूत करना और आस-पास चिकित्सा उपलब्ध कराना।

The following are the main principles of the National Child Policy of India-

1. To run good health programmes for the health of all children and to provide good services and nutritious food.
2. To provide nutritious food to take care of the health of pregnant women and mothers.
3. To arrange education outside the school for those children who are not going to school and getting education.

4. To promote recreational activities in all schools and community health service centres.

5. To conduct many programmes for the children of extremely vulnerable sections.

6. To make policies to protect children from exploitation.

7. To ban many types of dangerous works and occupations.

8. To arrange free and compulsory education for children below the age of fourteen.

9. To provide treatment, education and rehabilitation for physically handicapped children.

10. To provide security to children during any natural disaster.

11. To provide help to talented children of weak poor sections.

12. To give priority to meritorious and specially talented children from weaker sections.

13. To help in reducing the problems of medical and nursing care of children and to strengthen their family links and provide medical facilities nearby.